सुविचार

कमजोर व्यक्ति तब रूक जाते हैं जब वो थक जाते हैं और आगे नहीं चल पाते, लेकिन एक विजेता तभी रूकता है जब वो विजय हो जाता है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-04 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 04 मार्च 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

ऐसिड या बलात्कार से पीड़ित स्त्री के इलाज करने से कोई भी डॉक्टर या अस्पताल प्रबंधक मना नहीं कर सकता है जानिए/ Legal General Knowledge

दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा,1973 की धारा 357(ग) ऐसिड पीड़ित एवं बलात्संग से पी?ित महिलाओं के इलाज के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार हैं क्योंकि उपर्युक्त धारा सभी सरकारी अस्पताल या प्राइवेट अस्पताल चाहे वह केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार, या स्थानीय निकाय या किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा चलाये जा रहे हो किसी भी प्रकार से ऐसिड पी?िता, किसी प्रकार से बलात्कार की शिकार महिलाओं का तुरंत बिना देर किए हुए निःशुल्क इलाज करेगी एवं सभी प्रकार के चिकित्सीय उपचार उपलब्ध कराएंगे। एवं ऐसी घटना की सूचना तुरंत पुलिस अधिकारी को देगे।

दण्ड का प्रावधान-?

अगर कोई भी दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 357(ग) का उल्लंघन करता है तब इसके लिए दण्ड का प्रावधान भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 165(ख) के अंतर्गत यह अपराध असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होगा एवं इसकी सुनवाई का अधिकार प्रथम वर्ग के मजिस्ट्रेट को हैं। सजा- इस अपराध के लिए दोषी व्यक्ति को एक वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान? महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने करंज और गुलमोहर का पौधा रोपा

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड होल्डर्स ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क में करंज और गुलमोहर के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ पत्रिका समाचार-पत्र समूह के स्टेट एडिटर श्री विजय चौधरी तथा हॉबी क्लब, भोपाल के सदस्य सुश्री आयुषी श्रीवास्तव, श्री देवेन्द्र प्रकाश तिवारी तथा श्री सुधीर पंडया ने भी पौध-रोपण किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित हॉबी क्लब के सदस्य स्कूल, कॉलेज एवं सार्वजनिक संस्थानों में छोटी-छोटी प्रदर्शनियाँ लगाकर स्वच्छता और पर्यावरण के लिए बच्चों और आमजन को जागरूक करते हैं। क्लब की सदस्य

सुश्री आयुषी श्रीवास्तव ने गणपति संग्रह, श्री देवेंद्र प्रकाश तिवारी ने कबाड़ से जुगाड़ एवं श्री सुधीर पंड्या ने नीम के पेड़ का जन्म-दिन मनाकर और बैंक में विषम संख्या में (ऑड नम्बर में) राशि जमा कराने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज कराया है। आज लगाए गए करंज को आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। गुलमोहर को विश्व के सुंदरतम वृक्षों में से एक माना जाता है। गुलमोहर की पत्तियों के बीच ब?-ब? गुच्छों में खिले फूल, इस वृक्ष को अलग ही आकर्षण प्रदान करते हैं। गर्मी के दिनों में गुलमोहर के पे? पत्तियों की जगह फूलों से लदे हुए रहते हैं। यह औषधीय गुणों से भी समृद्ध है।

रेरा अधिनियम का उद्देश्य आवंटितियों के हितों का संरक्षण

भोपाल। रेरा अधिनियम का उद्देश्य कॉलोनाइजर के साथ ही रियल स्टेट क्षेत्र में आवंटितियों के हितों का संरक्षण करना है। वर्ष 2016 तक आवंटितियों को अपने अधिकारों की ल?ाई के लिए कॉलोनाइजर के विरूद्ध दीवानी एवं उपभोक्ता न्यायालयों में जाना प?ता था। मध्यप्रदेश में रेरा नियम 2017 से लागू हुआ। इनमें वर्ष 2021 में आंशिक सुधार कर और अधिक सुसंगत बनाया गया है। सचिव रेरा श्री नीरज दुबे ने बताया है कि परियोजना की लागत में भूमि महत्वपूर्ण होती है, अतः भूमि की लागत एवं परियोजना स्वीकृति के लिए किये गए व्यय का लाभ कॉलोनाइजर को प्राप्त होता है। यह प्रावधान नियमों में पहले से हैं। परियोजना के नाम से खाता खोला जाना।

मोदी जिंदाबाद के नारों पर छात्रों की चुप्पी

यूक्रेन से लौटे छात्रों से मुखातिब केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट को आखिर खुद ही जयकार करनी पड़ी

गाजियाबाद। यूक्रेन में फंसे छात्र जब भारत लौटे, तो उन्होंने गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर मोदी जिंदाबाद के नारे नहीं लगाए। केंद्रीय रक्षा मंत्री अजय भट्ट भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान में अंदर पहुंचकर छात्रों से मुखातिब थे। इस दौरान मंत्री ने छात्रों से कहा, बिलकुल चिंता मत करिए। जीवन बच गया है।

मोदीजी की कृपा से सब ठीक होगा। इतना कहते हुए मंत्री ने दो बार भारत माता की... बोला तो छात्रों ने इसका जवाब जय कहकर दिया। तीसरी बार मंत्री ने बोला- माननीय मोदी जी जिंदाबाद। इस पर सारे छात्र चुप हो गए। आखिकार मंत्री ने ही दो बार माननीय मोदी जी जिंदाबाद के नारे लगाकर माहौल बनाया। यह वीडियो अब खूब शेयर किया जा रहा है। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने प्रधानमंत्री के लिए कहा, मैं उनको बहुत साधुवाद देता हूं। कभी-कभी मन में ये बात आती है कि रातभर हम सोए नहीं हैं। ऑफिसर, करू और छात्र भी सोए नहीं हैं। यदि प्रधानमंत्री जैसा नेतृत्व हमको नहीं मिलता, तो पता नहीं आज कैसी स्थिति होती। अजय भट्ट ने आगे कहा, जैसे एक अभिभावक अपने बच्चों का ध्यान रखता है, ठीक इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह हम सबकी चिंता में लगे हैं और तब तक चिंता में हैं, जब तक एक-एक बच्चे को यहां वापस नहीं ले आते।

मोदी सरकार ने देश-विदेश में लगा रखे हैं 24 मंत्री

बताते चलें कि मोदी सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत 24 केंद्रीय मंत्रियों को विभिन्न जगहों पर तैनात किया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया को रोमानिया और मोलदोवा, किरेन रिजिजू को स्लोवाकिया, हरदीप सिंह पुरी को हंगरी और वीके सिंह को पोलैंड में रेस्क्यू तेज कराने के लिए भेजा गया है। वहीं, 20 मंत्रियों को देश के विभिन्न एयरपोर्ट पर छात्रों को रिसीव करने के लिए लगाया गया है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के व्यक्ति को लोक-स्थान में जाने नहीं देना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए/SC-ST Act,1989....|

भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्राप्त है एवं सिविल संहिता अधिनियम भी सभी व्यक्ति के समानता के अधिकार की सुरक्षा करती है। ऐसे में कानूनी जानकारी के अभाव में आज भी बहुत से दबंग व्यक्ति, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों से भेदभाव रखते हैं वो इनको बहुत से लोक-स्थान जैसे औषधालय, हॉस्पिटल, स्कूल, महाविद्यालय, पार्क, सिनेमा-हाल,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मॉल आदि में जाने से रोकेगा या जाने में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न करेगा ऐसा करने वाला व्यक्ति कितना गंभीर अपराध करता है जानिए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम,1989 की धारा3(1)(यक)(ई) की परिभाषा;-?

वह व्यक्ति जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य नहीं है वह उस वर्ग के सदस्य को किसी उपर्युक्त लोक-स्थान या किसी सार्वजनिक उपयोग वाले स्थान या कोई सार्वजनिक उपकरण,वस्तुओं को उपयोग करने से रोकेगा या उपयोग करने पर बाधा उत्पन्न करेगा वह व्यक्ति उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दोषी होगा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम,1989 की धारा 3(1)(यक)(ई) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान?-

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं अजमानतीय होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार क्षेत्र जिला विशेष न्यायालय करता है। सजा - इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम पाँच वर्ष की सजा एवं जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

पीड़ित व्यक्ति को शासन द्वारा राहत सहायता राशि;-

अनुसूचित जाति और जनजाति(अत्याचार निवारण) नियम,1995 नियम 12(4) के अनुसार इस अपराध के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति को राज्य शासन या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता(संदाय) एवं सरकार का कर्त्तव्य हैं कि ऐसे व्यक्तियों को समानता के अधिकार उपलब्ध करवाना। यह राशि जिला कलेक्टर या जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय द्वारा स्वीकृत होगी है।

- लेखक बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र नर्मदापुरम) 9827737665

यूक्रेन से लौटे छात्र बोले-UN की बैठक में भारत की खामोशी की मिल रही सजा

लखनऊ। रूस-यूक्रेन की जंग के बीच यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की मुश्किलें ब?ती जा रही हैं। रूसी सेना हर मिनट आसमान से बम बरसा रही है। जान बचाने के लिए भागने की कोशिश कर रहे तो यूक्रेन की पुलिस और सैनिक लात-घूसों से पिटाई कर रहे हैं। यूक्रेन से 3 मार्च को लौटकर आए तीन छात्रों ने दैनिक भास्कर संवाददाता सुनील कुमार मिश्रा से बात की और वहां के हालात बयान किए। यूक्रेन के ओडेसा और विनिट्सा से लौटे बहराइच के मेडिकल छात्र अवधेश सिंह, लखनऊ के अश्वनी और कृष्णा सिंह सही सलामत अपने घर पहुंच गए हैं। अश्वनी ने बताया कि हमले वाले दिन 24 फरवरी को वो बेहद डर गए थे। चारों तरफ बमबारी हो रही थी। लगा जान बचना मुश्किल है।

सीएम योगी: प्रत्याशियों के बूथों पर जोश में नहीं दिखे वोटर्स

सपा के विनय शंकर तिवारी आए 2nd तो फतेह बहादुर सिंह अपने बूथ पर

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में वोटिंग प्रतिशत के लिहाज से पूर्वांचल का छठवां चरण फिसड्डी रहा। मतदाताओं में मतदान प्रतिशत के लिहाज से उत्साह नहीं दिखा। अगर बात करें गोरखपुर की जहां जिले में मतदान प्रतिशत 56.82 प्रतिशत रहा वहीं ज्यादातर प्रत्याशियों के बूथों पर भी वाटर्स में जोश नहीं दिखा। अधिकांश प्रत्याशी अपने खुद के बूथों पर जहां वे वोट डालते हैं वहीं पर भी मतदान प्रतिशत के लिहाज से 1st नहीं आ पाए। कहीं 50 प्रतिशत को कहीं 56 तो कहीं 58 प्रतिशत ही मतदान हुआ। यानि प्रत्याशी व उनके समर्थक अपने बूथ के ही मतदाताओं को वोट

डालने के लिए पोलिंग बूथ तक नहीं निकाल पाए। यह हाल तब है जब बीजेपी के पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी है कि वे वोटर्स को बूथ तक लाएं। यही हाल हर पार्टी का है। कहीं न कहीं वोटर्स को बूथ तक निकाल कर लाने में कार्यकर्ता नाकाम रहे।

सीएम योगी के बूथ पर 56.42 प्रतिशत मतदान

यूं तो सीएम योगी आदित्यनाथ के शहर विधानसभा सीट पर पिछले चार बार से ज्यादा मतदान इस बार रहा। इस बार शहर सीट पर लगभग 55.12 प्रतिशत मतदान हुआ। लेकिन जिस इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय गोरखनाथ (कन्या) मतदान केंद्र पर सीएम योगी ने वोट डाला वहां का मतदान प्रतिशत 56.42 रहा। सीएम के इलेक्शन सेल के अनुसार उनके मतदान केंद्र पर कुल मतदाता 5888 हैं। जिनमें से 3322 ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बाड़ी बार्ड नंबर 10 में नहीं बन पा रही नाली और सड़के

बाड़ी। एक तरफ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विकाश कि बात करते है ओर भारत कि सड़कों को अमेरिका की सड़कों से अच्छा बताते है ओर जमीनी स्तर पर देखा जाय तो लोगो को नाली ओर सड़के नहीं बनने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । जिला रायसेन कि तहसील बाड़ी में वार्ड नं 10 में वर्षो से सड़के ओर नाली नहीं पा रही जिससे लोगो के घरों के सामने पानी एकत्रित हो रहा है जिससे मच्छर उत्पन्न हो रहा है ओर लोगो को बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है बाड़ी वार्ड नं 10 के लोगो ने मांग की है कि नाली ओर सड़के वनाई जाय जिससे हमें असुविधा ना हो । लोगो का कहना ये भी है हमारे हैं

प्रतिनिधि भी यहां सिर्फ बोट मांगने ही आते है बोट लेने के बाद दुबारा इधर लौटकर भी नहीं देखते चाहे वो विधायक हो या वार्ड के पार्षद कोई भी इधर मुड़कर नहीं

देखता है। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ने कहा कि अगर लोगो की मांग पूरी नहीं गई तो जन समस्याओं को लेकर तहसीदार महोदय को ज्ञापन दिया जाएगा।

कातिल नही बन सकते

विचार क्रांति कभी
मंद नहीं हो सकती
विरोधियों से कभी
अनुबंध नहीं हो सकती
लाख समस्याएं आ जाये राहो पर
आजादी हासिल करने
कोई प्रतिबंध
नहीं हो सकती ?
विचार क्रांति कभी
मंद नहीं हो सकती
सरफ़रोशी हमने
सीखी है जिनसे
उनके संघर्ष ,शहादते
कभी बंद नहीं हो सकते
निकल पड़े हैं सर पर
कफन बांधकर
बढ गये है अपनी हदें
लांघकर
तख्तो- ताज पर तुम
करते हो राज
हमे तो अपने मूलनिवासी
महापुरुषों पर है नाज
राज सत्ता तो हम कल
हासिल कर सकते हैं
फर्क बस इतना है
हम बेगुनाहों के कातिल
नही हो सकते,,,,

हरीश पांडल
विचार क्रांति

क्रांतिकारी संत रैदास सम्मान से सम्मानित : मूलचन्द मेधोनिया

भोपाल। सामाजिक जागरूकता, समाजसेवा को तीन दशकों से निरंतर एवं अपने पूर्वजों के मार्गदर्शन, आशीर्वाद से जनसेवा के गुरुत्तर दायित्वों का पालन कर दलित, शोषित बिरादरी में जन्मे महापुरुषों, संत, गुरुओं और महात्माओं से प्रेरित मूलचन्द मेधोनिया एक साहित्यकार और पत्रकार लम्बे समय से है। जिनकी लेखनी एवं सरल, सुबोध भाषा शैली के माध्यम से जन कल्याण के संदेशप्रद साहित्यिक योगदान सहित विभिन्न मुद्दों पर कर प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया के द्वारा योगदान प्रदान किया जाता है। मूलचन्द मेधोनिया पूर्व से ही देश और प्रदेश के सैकड़ों मंचों से विविध संस्थानों से प्रख्यात राजनेताओं और प्रतिनिधियों से सम्मान, पुरुस्कार व उपाधियों से नवाजे जा चुके हैं। जिसमें इन्हें साहित्य भूषण की मानद उपाधि दिल्ली से प्राप्त है। समतावादी कलमकार साहित्य शोध संस्थान भारत द्वारा आयोजित संपूर्ण देश में तीन दिवसीय लेखन कार्यक्रम के आयोजन में प्रदत्त बिषय ÷क्रांतिकारी संत रैदास का सामाजिक योगदान÷ का संत रविदास जयंती पर आयोजित हूआ। जिसमें मूलचन्द मेधोनिया ने पूरी आनलाईन प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कलम के माध्यम से कविता, लेख, गीत और सृजन का श्रेष्ठ लेखन कार्य किया। जिसमें संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी के जीवन वृत्त पर शोध आलेख महत्वपूर्ण रहा। शानदार साहित्यिक योगदान पर मूलचन्द मेधोनिया को क्रांतिकारी संत रैदास सम्मान÷ प्रधान हुआ। मूलचन्द मेधोनिया को प्राप्त सम्मान होने पर समाज के सामाजिक संगठनों के सदस्य और संघों के पदाधिकारियों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। सभी के प्रति मूलचन्द मेधोनिया ने आभार प्रकट किया। तथा अपील की है कि मध्यप्रदेश के एकमात्र महान क्रांतिकारी रविदास वंशीय समाज के महान पराक्रमी वीर मनीराम अहिरवार जी स्वतंत्रता आन्दोलन के न सिर्फ सैनानी रहे बल्कि समाज के स्वाभिमान के खातिर और सामाजिक कुप्रथाओं के विरोध में अंग्रेजी सेना से लड़ते हुए देश की रविदास कौम का सम्मान बढ़ाया था। जिन्हें अभी तक की सरकारों ने अनदेखी एवं सम्मान देने से वंचित रखा गया है। अतः आज समाज के श्रेष्ठ प्रखर बुध्दिजीवियों से समाज भरा पड़ा है। जिनकी शासन /प्रशासन तक आवाज उठाने में सहयोग प्रदान करे।

भीम आर्मी ने मनाया अजाक्स जिलाध्यक्ष जी.एल.बरगले का जन्मदिन

बाड़ी। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ओर उनके साथियों ने 2 मार्च को संत रविदास मंदिर बाड़ी पर अजाक्स के जिलाध्यक्ष जी.एल बरगले जी का भव्य स्वागत किया ओर उनका जन्मदिन मनाया जिसमे सभी सामाजिक बंदू उपस्थित रहे। अजाक्स के ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत मालवीय जी, अजय जाट जी , सुरजीत दिवाकर ,राजेंद्र ,सौरभ,कमलेश , सचिन, अभिषेक,आदि उपस्थित रहे।

भोपाल जिला की तहसील बैरसिया

बैरसिया। संत गाडगे महाराज की जयंती के उपलक्ष में भव्य चल समारोह का जाटव समाज संभागीय समिति भोपाल इकाई बैरसिया ने भव्य स्वागत किया पानी के पहुजो का वितरण किए सामाजिक संगठन द्वारा श्री मालवीय रजक युवा सेवा संगठन द्वारा 27 फरवरी रविवार चौपड़ बाजार से नगर के मुख्य मार्गो से होते हुऐ मानस भवन बस स्टैंड बैरसिया में संपन्न हुई इस भव्य चल समारोह में श्री राधा कृष्ण का भव्य मयूर नृत्य किया गया संगठन के अध्यक्ष धीरज मालवीय जी का साफा बांधकर स्वागत किया रामबाबू जाटव ने बताया संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय था लोकसेवा । दिन दुखियों तथा उपेक्षितो की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते है थे धार्मिक आडंबरो का उन्होंने प्रखर विरोध किया। उनका मानना था कि दरिद्र नारायण के रूप में ईश्वर मानव समाज में विद्यमान है। मनुष्य को चाहिए कि वह इस भगवान को पहचाने और उसकी तन मन धन से सेवा करें भूखों को भोजन प्यासे को पानी अनपढ़ को शिक्षा बेकार को काम जीवों को अभय प्रदान करना ही भगवान की सच्ची सेवा करना है इस मौके पर जाटव समाज

संभागीय समिति भोपाल इकाई बैरसिया सचिव पूर्व जनपद सदस्य मोकम सिंह मीडिया प्रभारी रामबाबू जाटव पूर्व जनपद सदस्य कन्हैया लाल जाटव महेश जाटव जशरथ जाटव राजपाल जाटव सुरेश अहिरवार शिवनारायण अहिरवार मोहर सिंह अहिरवार रामबाबू मालवीय अनिल मालवीय अजय मालवीय आदि समस्त कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

महिला परामर्श केंद्र पर आपस में भिड़े रिश्तेदार

खरगोन। महिला सभा परिसर स्थित परामर्श केंद्र पर गुरुवार दोपहर उस वक्त हंमामे की स्थिति निर्मित हो गई जब भाई. बहन के बीच चल रहे जमीन विवाद में रिश्तेदार आमने. सामने हो गए। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई, जिसके बाद मामला थाने पहुंच गया। समझौते के लिए करीब 10 से 12 रिश्तेदार पहुंचे थे। थाने पहुंचे बैडिया निवासी हयात खान ने बताया

कि मेरी 6 बहने है। उनके परिवार की करोड़ों रुपए की पैतृक संपत्ति है। खान ने आरोप लगाया कि पारिवारिक हिस्से में एक बहन ने धोखे से अपने पति के नाम पर सपंत्ति कर ली है, जबकि वह इकलौता बेटा है, उसे न तो मकान में हिस्सा दिया न अन्य संपत्ति में इसी बात को लेकर आज परिवार के सदस्य परामर्श केंद्र पहुंचे थे।

मतदात प्रतिशत बढ़ाने के लिए निकाली नाव रैली

मिर्जापुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके इसके जागरूकता के लिये प्रभारी अधिकारी स्वीप, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के द्वारा जनपद में विविध कार्यक्रम कराये जा रहे हैं जिसके क्रम में गुरूवार को पक्का घाट मीरजापुर से बरिया घाट मीरजापुर तक भव्य नाव रैली निकालकर 7 मार्च को अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे के प्रति रैली निकाली गयी। नाव रैली का शुभारम्भ करते हुये मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने कहा कि मीरजापुर मण्डल के तीनो जनपदो में सातवें चरण 7 मार्च को मतदान किया जायेगा। उन्होने कहा कि मतदाताओ को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिये अनेक कार्यक्रमो अपील एवं संदेशो के द्वारा जिला प्रशासन निरन्तर प्रयास कर रहा हैं। उन्होने कहा कि गंगा में नाव की यात्रा एक प्रतीक है जिसके माध्यम से जनपद के निवासियो व मतदाताओ से अपील की जा रही है कि 7 मार्च को अधिक से अधिक मतदान करें।

उपमुख्यमंत्री ने विन्ध्य धाम में टेका मत्था

मिर्जापुर। गुरुवार दोपहर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने मां विंध्यवासिनी दरबार में पहुंचकर विधि विधान से दर्शन पूजन किया दर्शन पूजन के पश्चात पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए आया हूं मां विंध्यवासिनी सबकी रक्षा करें उत्तर प्रदेश की उन्नति हो हमारा प्रदेश जातिवाद, माफिया वाद,अपराध वाद से मुक्त होकर विकासवाद की धारा में बहे और आपस में सौहार्द की भावना बनी रहे हिंसा एवं दंगा मुक्त उत्तर प्रदेश बने यही मां से कामना है। दिनेश शर्मा ने कहा कि जनता का जो रुझान है उससे यह लगता है कि पिछली बार की तरह और उससे भी अच्छा प्रदर्शन हम लोग करेंगे पुरानी पेंशन बहाली पर दिनेश शर्मा ने कहा कि राजस्थान की

पुरानी पेंशन का कोई लेटर किसी को मिला है क्या, सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार किया जा रहा है लोगों को भ्रमित करने के लिए झूठा प्रचार किया जा रहा है। 2005 में समाजवादी पार्टी ने इसको लागू किया और पुरानी पेंशन को समाप्त भी सपा ने ही किया है 15 सालों तक सपा बसपा शासन में रहे लेकिन जब लोगों ने पेंशन की बात की तो उन पर लाठीचार्ज कराया गया 70 हजार करोड़ रूपया जनता के अंशदान था उसको केंद्रीय संस्थान मैं 60 साल 90 साल 100 साल के लिए जमा भी समाजवादी पार्टी ने किया सब जानते हैं कि 70 हजार करोड़ की राशि जमा है तो उसको निश्चित अवधि के पहले वापस कैसे लाएंगे यह समाजवादी पार्टी नहीं बताती , तो पुरानी पेंशन कैसे बहाल होगी पुरानी पेंशन की बेहतर विकल्प को नई पेंशन में शामिल करने का क्रम जारी है। वर्तमान सरकार नई पेंशन में पुरानी पेंशन के बेहतर विकल्पों को शामिल करने की प्रक्रिया कर रही है ऐसे में सिर्फ दुष्प्रचार किया जा रहा है।

लोक अदालत के फैसले पर नहीं हुई कार्यवाही रहवासी क्षेत्र में अंग्रेजी शराब दुकान आज भी हो रही है संचालित

अनूपपुर। लोकोपयोगी लोक अदालत ने 7 सितंबर 2021 को अपने फैसले में आयुक्त मध्यप्रदेश, आबकारी विभाग ग्वालियर, जिला आबकारी अधिकारी अनूपपुर, कलेक्टर अनूपपुर वास्ते मध्यप्रदेश शासन एवं अंग्रेजी शराब दुकान लाइसेंसी को डॉक्टर एम.एम. मंसूरी आवेदक के प्रकरण में आदेश दिया था की अनावेदक गण वार्ड क्रमांक 5 अनूपपुर में स्थित अंग्रेजी शराब दुकान को 1 माह के भीतर अन्यत्र स्थानांतरित कर दें।लेकिन आश्चर्य की बात है की लोकोपयोगी लोक अदालत की भावना का अनावेदक गण 5 माह बाद भी पालन नहीं किए।अभी हाल ही में मध्यप्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने 26/02/2022 को कलेक्टर अनूपपुर को पत्र लिखकर लोक अदालत के निर्णय के अनुरूप शहर के बाहर अंग्रेजी शराब दुकान को संचालित कराए जाने हेतु लेख किया था लेकिन उस पर भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नजर नहीं आई।बताया जाता है कि नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रामखेलावन राठौर,जिला वक्फ बोर्ड अनूपपुर एवं वार्ड क्रमांक 3, 4, 5 के निवासियों ने कलेक्टर अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं जिला आबकारी अधिकारी अनूपपुर को रहवासी

क्षेत्र के लोगों की जन भावनाओं से अवगत कराते हुए पत्र लिखा था कि शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान जो शहर के मध्य में स्थित है इसे अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। पत्र में बताया गया कि नगर पालिका परिषद वार्ड क्रमांक 5 में शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान संचालित है उपरोक्त स्थान पर उसके आसपास शासकीय स्कूल बच्चों की, राम जानकी मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, रेलवे स्टेशन एवं रहवासी कॉलोनी आदि स्थित है।छोटे-छोटे बच्चे इसी मार्ग से कंधे पर स्कूल बैग लटका कर पैदल स्कूल को जाते हैं। और इसी मार्ग पर शराबियों के हुड़दंग के बीच वह गुजरते हैं जो कि बिल्कुल भी उचित नहीं है।शराब दुकान होने के कारण कई बार नशे में लोगों द्वारा यहां पर उत्पाद मचाया जाता है जिससे विवाद की स्थिति निर्मित होती है।साथ ही मार्ग में जगह कम होने की वजह से प्रतिदिन यातायात की समस्या बनी रहती है शहर में पार्किंग नहीं होने से लोग अपनी मोटरसाइकिल यहां पर खड़ी कर देते हैं। शराबियों द्वारा यहां पर मांस, मछली और हड्डियां भी फैला दी जाती है जिससे मंदिर, मस्जिद ,रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों एवं रहवासी परिवार को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।जिला प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया लेकिन परिणाम आज तक सामने नहीं आया।लोक अदालत ने 07/09/2021 को अपने फैसले में एक माह के अंदर दुकान हटाने का आदेश दिया था लेकिन 5 माह बाद भी दुकान को नहीं हटाया गया।रहवासी क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन से अपील की है की तत्काल रहवासी क्षेत्र से एवं लोक अदालत के फैसले के अनुरूप अंग्रेजी शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की कार्यवाही को अंजाम दे अन्यथा वार्ड के लोगों को आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा।

तीन दिवसीय विधायक कप आयोजन की मंत्री बिसाहूलाल ने की अनुशंसा 11 मार्च से होगा आयोजन, जिला ए वालीवॉल संघ ने दी बधाई

अनूपपुर। वालीवॉल प्रतियोगिता के आयोजन किये जाने के संबंध में जिला वालीवॉल संघ के मागदर्शक संरक्षक दिनेश पटेल व सह सचिव दिनेश चंदेल ने 1 मार्च को खाद्व, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल से भेंट की, जहां मंत्री बिसाहूलाल ने जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अनूपपुर को पत्र लिखकर अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के मुख्यालय अनूपपुर में तीन दिवसीय वालीवॉल पुरूष/ महिला खेल प्रतियोगिता 11 मार्च से 13 मार्च तक विधायक कप प्रतियोगिता कराये जाने की अनुशंसा की है। जिसके बाद वालीवॉल विधायक कप प्रतियोगिता का आयोजन हेतु विधानसभा अनूपपुर की सभी टीमें जिला खेल अधिकारी के साथ विकासखंड जैतहरी समन्वयक जिला वालीवॉल संघ के सच के सह सचिव दिनेश सिंह चंदेल से संपक्र कर सकते है। वहीं जिला वालीवॉल संघ के इस प्रयास पर मंत्री द्वारा विधायक कप प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन के संबंध में अनुशंसा मिलने पर जिला ए, वालीवॉल संघ अनूपपुर के संरक्षक मंडल लक्ष्मण राव, अरूण सिंह, आशीष त्रिपाठी, पंकज अग्रवाल, अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम खेलावन राठौर, सिद्धार्थ शिव सिंह, उपाध्यक्ष अमित शुक्ला, सोमनाथ प्रचेता, विनोद सोनी, रमेश तिवारी चचाई, सचिव रामचंद यादव, सह सचिव, मिथलेश सिंह नेताम, सतेन्द्र स्वरूप दुबे, संयुक्त सचिव हरिशंकर यादव, कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव, सह कोषाध्यक्ष उमेश राय, मीडिया प्रभारी संदीप गर्ग सहित सदस्य रामेश्वर सिंह मार्को, द्वारिका सिंह, शुभम मलिक, अतुल शुक्ला, जीतेन्द्र पनिका, समीर चक्रवर्ती, संतोष यादव, बरगवां से विनोद पांडेय, निर्मला पटेल व पूजा राय, वीरू तंबोली, विजय पाल, संतोष पांडेय, अतुल यादव, नर्बदा सिंह ने बधाई प्रेषित की है।

पांच मार्च से जांचेंगे 10वीं, 12वीं की कॉपियां, जल्दी मिलेगा रिजल्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा हाल ही में आयोजित की गई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शनिवार से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए सरकारी स्कूलों के 1500 शिक्षकों को मूल्यांकन का प्रशिक्षण दिया गया। बोर्ड का प्रयास है कि जल्द से जल्द परिणाम घोषित कर दिया जाए। कोरोना महामारी के कारण दो साल परीक्षाएं नहीं हो सकी थीं। इस साल माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षा

ऑफलाइन में आयोजित की गई थी। यह परीक्षा भी चल रही है। परीक्षा चलने के साथ ही साथ शुरुआती दौर में जो प्रश्न पत्र हो गए हैं, उन प्रश्नपत्र के मूल्यांकन का कार्य भी शुरू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत इंदौर में मोती में तबला में स्थित मालव कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को हमेशा की तरह मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। इस मूल्यांकन केंद्र पर मूल्यांकन के कार्य के लिए शासकीय स्कूलों में कार्य करने वाले 1500 शिक्षकों का पंजीयन किया गया है। इन सभी शिक्षकों को दो चरणों में प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया। बुधवार को इन शिक्षकों को मूल्यांकन के संदर्भ में प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को यह समझाइश दी गई कि उन्हें बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए किस तरह से क्या क्या सावधानी रखना है। शनिवार के दिन से मूल्यांकन का कार्य शुरू हो रहा है। अभी शुरुआत में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा, जिनके प्रश्न पत्र परीक्षा के शुरू में ही हो गए हैं। अभी मूल्यांकन के कार्य के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के बंडल इंदौर नहीं पहुंचे हैं। मंडल के आंचलिक कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि आज रात में अथवा कल उत्तर पुस्तिकाएं इंदौर पहुंच जाएगी।

रक्षा मंत्री के पुत्र ने अस्पताल को सहयोग देने का दिया आश्वासन

मिर्जापुर। नगर के रामकृष्ण सेवाश्रम अस्पताल में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र नीरज सिंह का आगमन हुआ। नीरज सिंह ने अस्पताल के सभी विभागों का निरीक्षण कर अस्पताल के बारे में विस्तृत जानकारी ली। अध्यक्ष सीपी गुप्ता व सचिव सुमित जैन ने अस्पताल के द्वारा गरीब जनता को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं व इलाज के बारे में विस्तार से बताया जिसकी नीरज सिंह ने काफी सराहना व प्रशंसा की तथा गरीबों के लाभार्थ में शुरू की गई प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के बारे में भी जानकारी ली व अस्पताल व ट्रस्ट के सदस्यों को इस उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए बधाई दी। नीरज सिंह ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा रामकृष्ण सेवाश्रम का भूमिपूजन किया गया वो छोटा सा पौधा एक विशाल वृक्ष का रूप धारण कर चुका है यह बहुत ही गर्व की बात है। उन्होने ट्रस्ट के सदस्यों व डाक्टर्स के साथ बात चीत की व भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि इसी प्रकार सेवा कार्यों को जारी रखा जाए।

बेरोजगारी दूर करने के लिए नौकरियों में आयु सीमा बढ़ाएंगेः अखिलेश यादव

सोनभद्र। नगर के हाईडील मैदान में गुरुवार को जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्रों के सपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में नौजवानों का भविष्य बनाने का काम और आदिवासियों के लिए नए-नए योजनाएं चलाकर उन्हें विकास के रास्ते पर लाने का काम समाजवादी पार्टी करेगी द्य इस कोरोना काल में नौजवानों का तीन साल का समय बर्बाद हुआ जिसमें इनकी उम्र बढ़ गई। समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो 3 साल सरकारी नौकरियों में छूट दिलाई जाएगी और जनपद

सोनभद्र में विकास की गंगा बहाने का कारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब बाबा जी की विदाई का समय आ चुका है और प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। जनपद सोनभद्र की चारों विधानसभाओं के प्रत्याशियो घोरावल के पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे, रावटसगंज के पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, दूधी के पूर्व राज्य मंत्री विजय सिंह गोंड़ एवं ओबरा के अरविंद सिंह गोंड़ को भारी मतों से जीत दिलाने का काम करें द्य जिससे जनपद सोनभद्र के चारों विधानसभाओं का विकास हो सके द्य आखिरी चरण आपका है पहली बार मैं देख रहा हूं कि जनता चुनाव लड़ रही है अपने शासनकाल में जो एंबुलेंस चलाई थी उसे बाबा मुख्यमंत्री ने खराब कर दी है। यह देश का सबसे बड़ा चुनाव है।

सोयाबीन तेल में ऊंचे दामों पर ग्राहकी अटकी, मूंगफली तेल में गिरावट

इंदौर। देशभर में खाद्य तेलों में बुधवार को हुई भारी उठापटक के बाद गुरुवार को केएलसी में फिर तेजी लौट आई। यूक्रेन संकट के चलते खाद्य तेलों और क्रूड आयल की सप्लाई बाधित होने से समूचे ग्लोबल आइल कांप्लेक्स में जोरदार तेजी आ रही है। केएलसी मई अनुबंध 125 अंक ब?कर बंद हुआ। आयातक देशों में सनफ्लावर तेल की सप्लाई घटने से पाम की मांग ब? गई है लेकिन सोया तेल में अब ऊंची कीमतों को देखते हुए मांग थो?ी अटकने लगी है। इसके चलते गुरुवार को घरेलू बाजार में सोया तेल के दामों में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। इंदौर सोया तेल 1590-1600 रुपये प्रति दस किलो पर मजबूत रहा। वहीं पाम तेल में तेजी जारी रही। पाम तेल इंदौर 1640 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया। कच्चे तेल में उछाल और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते खाद्य पदार्थों की महंगाई को सहारा मिल रहा है। केएलसी में आगे की तेजी 7150 के ऊपर देखने को मिलेगी। देशभर में सोयाबीन की आवक ब?कर दो लाख 40 हजार बोरी की रही। इसमें मध्य प्रदेश में एक लाख 10 हजार बोरी की दर्ज की गई। मंडियों में सोयाबीन के दाम 7400-7600 प्लांट खरीदी भाव 7700-7800 रुपये प्रति क्विंटल रह गए।

बादाम में ग्राहकी का सपोर्ट नहीं मिलने से भाव में गिरावट

इंदौर। बादाम में ऊंचे दामों पर ग्राहकी का सपोर्ट नहीं मिलने और फिलहाल वैवाहिक डिमांड नहीं होने के कारण भाव में मंदी रही। गुरुवार को बादाम में करीब 10 रुपये प्रति किलो की मंदी दर्ज की गई। बादाम घटकर 530 से 540 बेस्ट 570 से 590 रुपये प्रति किलो रह गई।

व्यापारियों का कहना है कि इस महीने के अंत में वैवाहिक सीजन वालों की बादाम में मांग निकलने की संभावना है जिससे बादाम की कीमतों में ज्यादा मंदी के आसार कम हैं। इधर, नारियल में होली पूर्व की डिमांड ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही फैरी लगाकर माल

बेचने वालों की भी निकलने लगी है। इससे नारियल के दाम मजबूत बोले जा रहे हैं। आवक चार गा?ी की रही। नारियल उत्पादक केंद्रों पर भी चारों तरफ से मांग का प्रेशर ब?ने के कारण वहां भी कीमतें मजबूत हो गई है। नारियल 120 भरती 1400-1450, 160 भरती 1600-1650 200 भरती 1700-1750, 250 भरती 1800-1850 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोले में अगले सप्ताह से मांग ब?ने की संभावना है। फिलहाल खोपरा गोला 205 से लेकर 224 रुपये प्रति किलो तक बोला जा रहा है। इधर, शकर में भी ग्राहकी का सपोर्ट धीरे-धीरे ब?ने लगा है जिससे शकर के दाम मजबूत बोले गए। शकर नीचे में 3480 ऊपर में 3500 रुपये प्रति क्विंटल बोली गई। आवक सात गाड़ी की बताई गई।

महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में नगर परिषद अधिकारी, जनसमूह के द्वारा श्रमदान कर किया गया पहाड़ी बाबा मेला एवं पूजा स्थल की साफ-सफाई

अनूपपुर/राजनगर। नगर परिषद डूमर कछार के अंतर्गत पौराधार और झीमर कालरी के मध्य स्थित पहाड़ी बाबा जो प्राचीन काल से प्रसिद्ध गुफा एवं गुफे के अंदर बाबा शंकर जी की प्रतिमा और पूर्व पहाड़ी बाबा के द्वारा स्थापित कई मंदिरों का नगर परिषद अधिकारी ,स्वच्छता अधिकारी ,स्वच्छता प्रेरक ,स्वच्छता मित्र एवं सभी जन सहयोग के द्वारा मेला एवम् पूजा स्थल की सामूहिक रुप से साफ-सफाई की गई मंदिर पहाड़ी बाबा एवं मेला स्थल तरफ फैले लगभग 3-4 एकड़ जगह की सफाई की गईद्य मेला स्थल के चारों तरफ पन्नी, प्लास्टिक के डब्बे, बोतल के टुकडे , टूटे हुये शीशे थे इसे सभी ने मिलकर हटाया व साफ सफाई की नगर परिषद डूमर कछार के मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्री राकेश शुक्ला जी ने कहा धार्मिक कार्य का श्रमदान देकर कार्य को प्रारंभ करना ईश्वर की सबसे बड़ी आस्था को पाना है एवं इतने बड़े क्षेत्र की साफ सफाई हम सब ने मिलकर , श्रमदान देकर पूजा स्थल को साफ स्वच्छ किया यह हम सब ने ठाना है और समाज में यह संदेश देना है कि हम सब मिलकर इसी तरह से सार्वजनिक स्थलों को अपने घर की चारो तरफ गली गलियारों को भी साफ रखेंगे और स्वच्छ रखेंगे स्वछता के साथ ही नगर परिषद डूमर कछार का विकास होगा द्य मुख्य रुप से समाजसेवी श्री सुनील गुप्ता, श्रीमती शोभा तिवारी ,श्री विक्रमादित्य चौरसिया श्री दिलीप पटेल , अवदेश वर्मा एवं नगर परिषद के सत्येन्द्र चौहान, अखिलेश सिंह परिहार, मुन्ना पाल, राजेश जायसवाल, जय तिवारी, वीरेंद्र रजक,गौरव महाता, विपिन दुबे,एजाज अहमद मनोज यादव,राकेश अगरिया, कर्मचारी गण, सफाई कर्मचारी की उपस्थिति में साफ-सफाई कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अमरकंटक में आयोजित महाशिवरात्रि मेले के अवसर पर लगाई गई पुलिस व्यवस्था

__अनूपपुर।__ अनूपपुर जिले में दिनांक 27 फरवरी 2022 से 03 मार्च 2022 तक महाशिवरात्रि के अवसर पर अमरकंटक मेले का आयोजन रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत सेक्टरवार व्यवस्था लगाई गई है। प्रत्येक सेक्टर का प्रभारी राजपत्रित अधिकारी को नियुक्त किया गया है तथा सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था का प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को बनाया गया है। एसडीओपी पुष्पराजग? श्री आशीष भराडे, एसडीओपी कोतमा श्री शिवेन्द्र सिंह एवं 08 निरीक्षक सहित 300 का बल सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। इसके अतिरिक्त बी.डी.डी.एस. की टीम एवं पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी के द्वारा भी समस्त धार्मिक स्थानों एवं मेला क्षेत्र की चेकिंग कराई गयी है। अमरकंटक मेले के अवसर पर भी?-भा? अत्यधिक होती है और लोग घाटों में स्नान आदि करते हैं इस पर घाटों की सुरक्षा पर भी पुलिस अधीक्षक के द्वारा विशेष बल दिया गया है। घाटों में मोटर बोट, लाईफ जैकेट एवं संकेतक की पर्याप्त व्यवस्था कराई गई है। प्राईवेट गोताखोरों को भी शामिल किया गया है। मेले में नाईट पेट्रोलिंग की व्यवस्था भी की गई है। अमरकंटक मेले में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई है एवं अस्थाई मेला कन्ट्रोल रुम भी स्थापित किया गया है। पब्लिक अनाउन्समेंट सिस्टम के माध्यम से निरंतर मानीटरिंग की जा रही है। कस्बे, मंदिरों, मेला क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था सुनिष्चित रहे इसके लिए पृथक से पेट्रोलिंग व्यवस्था लगाई गई है। इस संबंध में आज थाना अमरकंटक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन के द्वारा व्यवस्था में लगे समस्त बल को कार्य हेतु ब्रीफ किया गया और उन्हे गंभीरता के ड्युटी करने की हिदायत दी गयी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के द्वारा निर्देषित किया गया है कि शालीनता एवं मर्यादित रुप से अपनी ड्युटी को अंजाम दें। किसी भी प्रकार की आवंछनीय गतिविधि होने पर वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कन्ट्रोल रुम को इसकी सूचना दें।

पंचायत सचिव आत्महत्या मामला

ग्राम पंचायत गढ़वार के तात्कालिक ग्राम पंचायत सचिव के सेवा में रहते हुए निधन पर पुत्र रविप्रताप सिंह को दी गई अनुकम्पा नियुक्ति

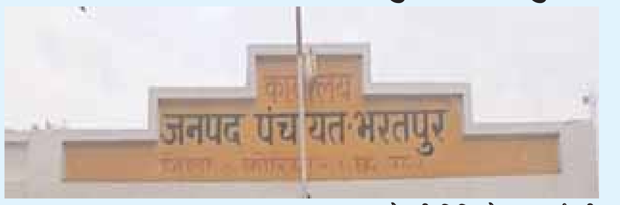

आज शाम ही सामान्य सभा ने किया था अनुमोदन

कोरिया। जनपद पंचायत भरतपुर के ग्राम पंचायत गढ़वार में कार्यरत तात्कालिक ग्राम पंचायत सचिव स्व. श्री छत्रपाल सिंह के सेवा में रहते हुए विगत 22 फरवरी को निधन हो जाने पर उनके पुत्र श्री रविप्रताप सिंह को ÷ग्राम पंचायत सचिव पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कुणाल दुदावत ने बताया कि तात्कालिक ग्राम पंचायत सचिव स्व. श्री छत्रपाल सिंह की सेवा में रहते हुए विगत 22 फरवरी 2022 को निधन हो जाने के फलस्वरूप छत्तीसग? शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति बाबत एकजाई पुनरीक्षित निर्देश 2013 के प्रकाश में छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर के पत्र में दिये गये निर्देश के तहत पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु जारी मार्गदर्शिका तथा छत्तीसग? शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय से प्राप्त निर्देशानुसार तात्कालिक ग्राम पंचायत सचिव के पुत्र श्री रविप्रताप सिंह को ग्राम पंचायत सचिव÷ पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर अस्थाई रूप से नियुक्ति की शर्तों के अधीन अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि सिंह को जनपद पंचायत भरतपुर में उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर पदस्थ किया जाता है। विदित हो कि गुरुवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक के दौरान उक्त पंचायत सचिव के आकस्मिक निधन उपरांत उनके आश्रित को अनुकम्पा प्रदान करने सम्बन्धी प्रस्ताव सर्वसहमति से पारित किया गया था। जिसके तुरंत बाद दस्तावेजी कार्यवाही पूरी करते हुए सचिव पद हेतु अनुकम्पा नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया।

उक्त आदेश के अनुसार जनपद पंचायत के विकल्प पर रविप्रताप सिंह को नियुक्ति प्रदान की गई है। कलेक्टर के निर्देशन में दूसरे ही दिन जिला पंचायत के अधिकारियों के दल ने दिवंगत सचिव के घर जाकर आवश्यक कागजात एकत्र कर उनके आश्रित को जल्द से जल्द नियुक्ति के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर दी। परिणामस्वरूप आज सामान्य सभा के पारित प्रस्ताव के आधार पर आज देर शाम अनुकम्पा नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया है।

नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ स्वच्छ भारत मिशन की उड़ावा रहा धज्जियां.... भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी

कोरिया। हम आपको बता दें की इनदिनों मनेंद्रगढ़ नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत मौहारपारा के वार्ड क्रमांक 5 लाल चर्च के बगल में एवं वार्ड क्रमांक 3 ट्रांसफार्मर के पास कुछ वार्ड वासियों के द्वारा कचरा फैलाया जा रहा है लेकिन नगर पालिका परिषद ऐसे लोगों को चिन्हित कर कोई कार्यवाही नहीं करने से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद हैं साथ-ही साथ स्वच्छ भारत मिशन की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है उक्त विषय पर भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी मनेंद्रगढ़ श्री यीशै दास के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को जानकारी दे बताया कि लगातार मेरे द्वारा स्वच्छता के प्रति नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है तथा दिनांक 31 /12/ 2021 को मेरे द्वारा ज्ञापन भी दिया गया है बावजूद इसके उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं होने से इन दिनों मौहारपारा क्षेत्र में सिर्फ गंदगी ही गंदगी दिखाई दे रही है साथ ही साथ श्री दास के द्वारा यह भी जानकारी दिया गया कि नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के द्वारा सफाई तो किया जाता है लेकिन नगर पालिका को चाहिए कि जो कचरा फैला रहे हैं उनको चिन्हकित कर नगर पालिका की ओर से कार्यवाही करनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है साथ ही साथ श्री दास के द्वारा मीडिया के माध्यम से नगर पालिका परिषद को चुनौती दे कहा कि अगर नगर पालिका परिषद स्वच्छ भारत मिशन का सम्मान करती है तो वह आए और मुझसे जो कचरा फैलाते हैं उनकी फोटो,वीडियो ले उन पर कार्यवाही करें हम उनका साथ देंगे अगर अब भी नगर पालिका प्रशासन के द्वारा स्वच्छता के प्रति लोगों से अपील नहीं करेगी कार्रवाई नहीं करेगी तो हमारे द्वारा जल्द ही नगरपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ महिला डॉक्टर की सेवाएं हुई समाप्त

कोरिया। मनेन्द्रगढ़ प्राप्त जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ शासकीय अस्पताल में कार्यरत महिला डॉक्टर संविदा कर्मी डा. कौर की संविदा नियुक्ति को शासन के द्वारा समाप्त कर दिया गया संविदा डॉक्टर कौर के द्वारा मरीजों से इलाज के लिए अवैध वसूली की शिकायतों को देखते हुए शासन ने तत्काल प्रभाव से उनकी सेवाएं समाप्त कर दी है7 हाल ही में हुई घटना जिसमें डॉक्टर के द्वारा मरीज से ऑपरेशन के नाम पर 11000 की मांग की गई थी ,वहीं दूसरी घटना में महिला के पेट में ही नवजात की मृत्यु होने के उपरांत ऑपरेशन के नाम पर डॉक्टर के द्वारा पैसों की डिमांड की गई थी ,लगातार मिल रही शिकायतों के कारण शासन के द्वारा तत्काल ही उक्त महिला डॉक्टर की सेवाएं समाप्त कर दी हैं एवं मरीज के द्वारा भी उक्त महिला के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है अब देखना यह है कि उक्त महिला डॉक्टर के खिलाफ पुलिस प्रशासन के द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। कलेक्टर कोरिया के द्वारा कई वर्षों से बंद पड़ी मशीन सोनोग्राफी की शुरुआत के लिए भी कदम उठाते हुए हॉस्पिटल में पदस्थ महिला डॉक्टर को प्रशिक्षण हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया है। कोरिया कलेक्टर ने कहा कि किसी भी तरह की शिकायत आने पर अस्पताल प्रबंधन एवं कार्यरत कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी पूर्व में भी कई तरह की शिकायतें आई थी जिस पर कलेक्टर कोरिया के द्वारा सभी कर्मचारियों को हिदायत दी है कि भविष्य में कोई शिकायत ना हो सभी अपने कार्य के प्रति ईमानदारी बरतें।

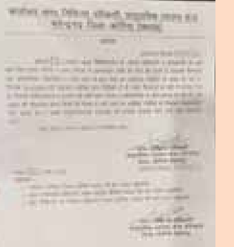

संपादकीय

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिला मतदाता निभाएंगी अहम भूमिका

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का चौथा चरण संपन्न हो चुका है। आगामी 10 मार्च को यह तय हो जाएगा कि इस बार उत्तर प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी? क्या योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा फिर से पांच साल जनता की सेवा करेगी या सपा के नेतृत्व में अखिलेश यादव कुर्सी संभालेंगे? उत्तर प्रदेश में चित्र साफ नजर आ रहा है कि इस बार चुनाव एकपक्षीय नहीं है। यह चुनाव विकास के मुद्दों पर एवं आरोप-प्रत्यारोप से घिरे हुए तमाम राजनीतिक उतार-चढ़ाव में अपना वजूद तलाश रहा है। पिछले पांच वर्षों से भाजपा नीत सरकार में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का दावा है कि पुनः भाजपा की सरकार बनेगी। विकास ही भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा है। चौथे चरण के मतदान के बाद बीजेपी द्वारा अपने विकास के कार्यों में महिला सुरक्षा को सबसे बड़ा विषय बनाकर प्रचार किया जा रहा है। निःसंदेह महिलाओं के प्रति निरंतर बढ़ते अपराध समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। महिलाओं को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने हरसंभव प्रयास किया है। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए राज्य में सेफ सिटी परियोजना को लागू किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ रोकने के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की सेफ सिटी योजना में अभी तक राज्य का केवल लखनऊ शहर ही सम्मिलित है। राज्य सरकार ने इसे राज्य के 17 अन्य शहरों में लागू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए बजट में 97 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इस योजना में राज्य के सभी नगर निगम वाले शहरों को महिलाओं के लिए सेफ सिटी बनाने की व्यवस्था की जाएगी। सेफ सिटी परियोजना में केंद्र सरकार 40 प्रतिशत और राज्य सरकार 60 प्रतिशत धनराशि व्यय करेगी। केंद्र सरकार ने अपने हिस्से की 62 करोड़ 89 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी है। अब कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, अलीगढ़, बनारस, अयोध्या, मथुरा, शाहजहांपुर, सहारनपुर, गाजियाबाद, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, आगरा, गोरखपुर, झांसी एवं बरेली भी सेफ सिटी बनाए जाएंगे। सेफ सिटी में महिलाओं की सुरक्षा का दायित्व भी महिला पुलिस कर्मियों पर ही होगा। उनके पास गुलाबी रंग के स्कूटर और एसयूवी वाहन होंगे, जिससे वे अपराधिक तत्वों पर दृष्टि रखेंगी। महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट भी बनाए जाएंगे। ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित किया जाएगा, जहां महिलाओं का आवागमन रहता है और वहां स्ट्रीट लाईट की कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पर्याप्त प्रकाश और सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। बसों में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन की भी व्यवस्था की जाएगी।

कांग्रेस के बगैर अधूरा ही रहेगा क्षेत्रीय दलों का गठबंधन

ऐसे में क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को भाजपा के साथ कांग्रेस से भी उतना बड़ा खतरा नजर आता है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा से खतरा प्रत्यक्ष है और कांग्रेस से पर्दे के पीछे। यही वजह है कि भाजपा के साथ ही क्षेत्रीय दल कांग्रेस से भी समान दूरी बनाने रखने की कवायद में जुटे हुए हैं। पवार को इस बात का एहसास है कि कांग्रेस के बगैर गैर भाजपा विपक्षी गठबंधन बेहद कमजोर साबित होगा, इसीलिए पंवार कांग्रेस को शामिल करने पर जोर देते रहे हैं। पंवार की यह बात क्षेत्रीय दलों के गले नहीं उतरती। इसका कारण भी साफ है कि कांग्रेस से भी क्षेत्रीय दलों को उनके राज्य में उतनी ही बड़ी चुनौती है, जितनी कि भाजपा से। ऐसे में सीटों के बंटवारे में कांग्रेस का सबसे बड़ा हिस्सा रहेगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर राव ने भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता को लेकर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्ध ठाकरे से मुलाकात की। राव से पहले क्षेत्रीय दलों को एक जाजम पर लाने का ऐसा ही प्रयास पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कर चुकी हैं। ममता को इसमें कोई सफलता नहीं मिली। पवार ने पहले भी कहा था कि कांग्रेस को शामिल किए बगैर ऐसा कोई गठबंधन कामयाब नहीं होगा। पवार कांग्रेस को शामिल करने की पैरवी कर चुके हैं। क्षेत्रीय दलों के सामने संकट यह है कि फिलहाल कांग्रेस उनकी प्रतिद्वन्दी हो या नहीं कि किन्तु गठबंधन के बाद कांग्रेस के विस्तार से बचना संभव नहीं है।

ऐसे में क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को भाजपा के साथ कांग्रेस से भी उतना बड़ा खतरा नजर आता है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा से खतरा प्रत्यक्ष है और कांग्रेस से पर्दे के पीछे। यही वजह है कि भाजपा के साथ ही क्षेत्रीय दल कांग्रेस से भी समान दूरी बनाने रखने की कवायद में जुटे हुए हैं। पवार को इस बात का एहसास है कि कांग्रेस के बगैर गैर भाजपा विपक्षी गठबंधन बेहद कमजोर साबित होगा, इसीलिए पंवार कांग्रेस को शामिल करने पर जोर देते रहे हैं। पंवार की यह बात क्षेत्रीय दलों के गले नहीं उतरती। इसका कारण भी साफ है कि कांग्रेस से भी क्षेत्रीय दलों को उनके राज्य में उतनी ही बड़ी चुनौती है, जितनी कि भाजपा से। ऐसे में सीटों के बंटवारे में कांग्रेस का सबसे बड़ा हिस्सा रहेगा।

विशेषकर ऐसे राज्यों में जहां विपक्षी पार्टी के तौर पर सिर्फ कांग्रेस का मजबूत आधार है। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा दल है जिनका सांगठनिक आधार पूरे देश में मौजूद है। ऐसे में विपक्षी एकता में कांग्रेसी की हिस्सेदारी सभी राज्यों में होगी। कांग्रेस को शामिल करने का मतलब यह है भी है कि जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सत्ता है, उनमें सीटों में हिस्सेदारी भी करना, जिसके क्षेत्रीय दल प्रारंभ से ही सख्त खिलाफ हैं। दरअसल क्षेत्रीय दल अपने जनाधार वाले राज्यों को छोड़ कर दूसरे राज्यों में सत्ता में भागीदारी चाहते हैं। उन राज्यों में भी कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मौजूद है। ऐसे में कांग्रेस को अकेला छोडऩा आसान नहीं है। भाजपा के खिलाफ एकजुटता में क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस को साथ नहीं लेना भी दर्शाता है कि उन्हें घर में सेंध लगने की चिन्ता है। क्षेत्रीय दलों ने अपनी सत्ता बढ़ाने के लिए दूसरे राज्यों में पहल भी की तो इसमें खास सफलता हाथ नहीं लगी। दरअसल क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में कांग्रेस गले की फांस बनी हुई है। कांग्रेस के बगैर इनकी एकजुटता अधूरी है। भाजपा से राजनीतिक जंग कांग्रेस को शामिल किए बगैर नहीं लड़ी जा सकती। किन्तु अन्य क्षेत्रीय दलों को जितना डर भाजपा से सताता है, उतना ही कांग्रेस से भी है। कांग्रेस भी उनकी उतनी बड़ी प्रतिद्वन्दी है, जितनी की भाजपा। अंतर यही है कि क्षेत्रीय दल कांग्रेस का नाम लेने से कतराते हैं। इसी वजह से कांग्रेस को गठबंधन में शामिल करने से भी कतराते हैं। क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में बाधा सिर्फ कांग्रेस ही नहीं है, बल्कि ऐसे दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं, जिन पर एकराय कायम करना टेड़ी खीर है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों का संगठन और सत्ता नहीं है, वहां चुनाव में किस आधार पर आह्वान करने का फायदा क्या होगा। ऐसे राज्यों में फायदा तो कांग्रेस या भाजपा को ही होना है। कुछ छुटभैय्या किस्म के राजनीतिक दल यदि ऐसे राज्यों में हैं भी तो जनमानस को उनकी तरफ मोडऩा इतना आसान नहीं हैं। कागजी जैसे राजनीतिक दलों के पास भी पूरे राज्य में मजबूत संगठन मौजूद नहीं है। कुछ क्षेत्रीय और जातीय बैल्ट तक ही उनकी राजनीतिक सीमित है। फिर भी सारे क्षेत्रीय दल यदि एकजुट होकर अपना प्रत्याशी भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ उतार भी दें तो उनके टिकट वितरण में ही सिर फुटव्वल की नौबत आ जाएगी। प्रत्याशियों को चुनना और उनके लिए चुनावी खर्चे का इंतजाम करना आसान काम नहीं है। पूर्व में ऐसा हो चुका है कि दूसरे राज्यों में कुछ सीटें जीतने के बाद क्षेत्रीय दल के विधायक कांग्रेस या भाजपा की झोली में चले गए। ऐसे में कुछ सीटें जीतने के बावजूद क्षेत्रीय दलों के लिए यह खतरा हमेशा बना रहेगा। क्षेत्रीय दलों के गठबंधन में प्रमुख बाधा क्षेत्रीय दल वाले ही पड़ौसी राज्य भी हैं। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों में आपस में ही प्रतिस्पर्धा है। हर क्षेत्रीय दल अपने पड़ौसी राज्य में अपना विस्तार चाहता है। ऐसे में दूसरे क्षेत्रीय दलों से टकराव होना तय है। ऐसा अब तक होता भी रहा है। एकता की राह में एक और बड़ी बाधा चुनावी घोषणा पत्र है। इसमें मुद्दे तय करने में सबके अपने-अपने हित है। सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ लिख कर घोषणा पत्र पूरा नहीं किया जा सकता है। इतना जरूर है कि यदि गठबंधन चाहे क्षेत्रीय दलों के आधार वाले राज्यों में हो या फिर दूसरे राज्यों में, विकास का मुद्दा बेशक हाशिए पर चला जाए पर अल्पसंख्यकों का मुद्दा प्रमुख रहेगा। क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय जिम्मेदारी निभाने से बचती रही हैं। यही वजह रही कि आतंकावाद के खिलाफ बोलने और कार्रवाई में क्षेत्रीय दलों ने पूरे मनोयोग के साथ कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया। यहां तक की इसकी भर्त्सना भी दबे-छिपे स्वरों में ही की है। क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक खिसकने के भय से कठोर कार्रवाई से मुंह चुराते रहे हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल और बिहार रहे हैं। पश्चिमी बंगाल में राज्य की पुलिस ने आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटाई। इंटेलीजेंस की सूचनाओं के बाद आखिरकार केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वर्ष 2020 में एनआईए ने छापा मार कर केरल और बंगाल से अलकायदा समर्थित 9 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के मामले में पश्चिमी बंगाल की तरह केरल और बिहार का ट्रेक भी खराब रहा है। इससे पहले भी भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा और आतंकियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इन दोनों राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सरकारों का वर्चस्व रहा है। केरल में कम्युनिस्ट और बिहार में लालू यादव के शासन के दौरान केंद्रीय एजेंसियों ने कई बार आतंकियों की धरपकड़ की है। सिर्फ अल्पसंख्यकों का ही नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के सामने भ्रष्टाचार से निपटना भी प्रमुख चुनौती रही है। इस विषबेल का क्षेत्रीय दलों ने मुखर विरोध नहीं किया। अलबत्ता केन्द्रीय जांच ब्यूरो और ईडी की कार्रवाई का पुरजोर विरोध अवश्य किया है। ईडी और सीबीआई की भ्रष्टाचार की र्कारवाई के खिलाफ तो ममता बनर्जी धरने-प्रदर्शन पर उतर आई। इस मुद्दे पर भी इन दलों ने कभी एकराय व्यक्त नहीं की। ममता हो या चंद्रशेखर राव, किसी के लिए भी कांग्रेस को शामिल किए बगैर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाना आसान नहीं है। यदि ऐसा गठबंधन बन भी गया तो वह कांग्रेस के बगैर वह रीढविहीन ही होगा।

■ इंटेलीजेंस की सूचनाओं के बाद आखिरकार केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सरयू से संगम तक: यूपी का पांचवां इम्तिहान, 12 जिलों की 61 सीटों का पूरा प्लान

पांचवें फेज की जंग अयोध्या और प्रयागराज जैसे जिलों में होनी है। जिसके लिए 27 फरवरी को 12 जिलों की 61 सीट पर वोट डाले जाएंगे। लेकिन इस रण को जीतने के लिए सभी राजनीतिक दलों से एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। कल मायावती प्रयागराज में थी तो अखिलेश यादव सुल्तानपुर में दिखे। अमित शाह बाराबंकी से अपने विरोधियों पर हमला बोल रहे थे। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि चक्रव्यूह के पांचवें द्वार को कौन भेदेगा। चौथे चरण की वोटिंग हो चुकी है और अब पांचवें चरण की लड़ाई तेज हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ से लेकर अमित शाह, अखिलेश यादव से लेकर प्रियंका गांधी और मायावती से लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पांचवें चरण के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

25 तक प्रचार, 27 को मतदान: पांचवें चरण के लिए यूपी के 12 जिलों की 61 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। 25 फरवरी को शाम 6 बजे प्रचार भी खत्म हो जाएगा। यानी प्रचार के लिए अब कल तक का ही दिन शेष बचा है। ऐसे में कोई भी पीछे नहीं रहना चाहता। अखिलेश ने जहां अमेठी और सुल्तानपुर में विरोधियों पर हमले बोल रहे थे तो बाराबंकी से भाजपा के चाणक्य अमित शाह एक साथ सपा और बसपा पर गरज रहे थे। मायावती प्रयागराज की सभी 12 सीटों पर हाथी की रफ्तार बढ़ा रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में चुनावी रैली की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठी में कांग्रेस को निशाने पर लिया।

यूपी की इन 12 जिलों में वोटिंग: अमेठी, रायबरेलीक, सुल्तानपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा

2017 में बीजेपी का 90 प्रतिशत रहा था स्ट्राइक रेट: गौरतलब है कि यूपी की चुनावी लड़ाई सपा और भाजपा के बीच नजर आ रही है। इस रेस में कांग्रेस और बसपा पीछे दिखा दे रहे हैं। हालांकि प्रियंका गांधी वाड्रा पूरा जोर लगा रही हैं। लेकिन बसपा पर आरोप लग रहे हैं कि मायावती इस चुनाव को ठीक तरीके से नहीं लड़ रही हैं। जिस तरह से उन्हें लड़ना चाहिए क्योंकि प्रयागराज की रैली में भीड़ तो आई लेकिन उनके बयानों में वो आक्रमकता नहीं दिखी जो उनके कार्यकर्ताओं में जोश भर सके।

सोनू सूदः कहीं यह परिवार की आड़ में राजनीति की चौखट पर दस्तक तो नहीं?

सोनू सूद.. एक ऐसा नाम, जो अभिनय क्षेत्र में नाम कमाने के साथ ही साथ कोविड काल में एक फरिश्ते के रूप में उभरकर सामने आया। भूखों का पेट भरा, हालातों के कारण अपने शहर से दूर लोगों को घर पहुँचाया, जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दिया, जरूरत की तमाम वस्तुएँ बाँटीं, कोरोना मरीजों के इलाज की व्यवस्था की, और फिर पूरी दुनिया में मसीहा के नाम से मशहूर हुए सोनू सूद ने आज भी इन नेक कामों का सिलसिला जारी रखा है। उनके नेक कामों के चर्चे उतने ही मशहूर हैं, जितना कि उनका नाम। वह कहते हैं न कि इंसान उसके कर्मों से ही पहचाना जाता है। सोनू ने भी समाज की भलाई करने के चलते अपनी कुछ ऐसी ही छाप छोड़ी है। लगभग हर एक भारतीय यही चाहता है कि वे इन नेक कामों को भविष्य में भी जारी रखें और जरूरतमंदों के हमेशा काम आते रहें। लेकिन हालिया समय में मसीहा द्वारा परिवार की आड़ में जो राजनीति का जामा पहना जा रहा है, यह लोगों के मन में डर के रूप में पनप रहा है कि कहीं उनका मसीहा खो न जाए। बहन को सियासी घमासान में उतारने के बाद सोनू का राजनीति में आने का फैसला हर तरफ चर्चा का मुद्दा बना हुआ है। अपनी अलग पार्टी बनाने के साथ ही राजनीति की अजीबों-गरीब दुनिया में कदम रखने जा रहे सोनू ने हमेशा ही इस क्षेत्र में जाने को नाकारा है। पिछले महीनों कई इंटरव्यूज़ में भी सोनू ने यही कहा था कि भविष्य में राजनीती में उतरने की उनकी कोई योजना नहीं है, फिर अपने बयानों से मुकरकर बहन को सत्ता की जंग में उतरना, न जाने कितनी ही भ्रांतियाँ पैदा कर रहा है कि कहीं सोनू द्वारा रातनीति का दरवाजा तो नहीं खटखटाया जा रहा है.. समाजसेवा करते-करते सियासी क्षेत्र में आने का विचार यूँ एकाएक तो आया नहीं होगा।

रोमानिया सीमा से दिल्ली आए बरेली के संस्कार

रायसेन। यक्रेन से रोमानिया होकर बरेली निवासी मेडिकल का छात्र संस्कार वर्मा मंगलवार को दोपहर 3 बजे दिल्ली पहुंच गए हैं। संस्कार ने दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद नवदुनिया से बात की और मदद के लिए भारत सरकार को धन्यवाद कहा। उन्होंने बताया कि अत्यधिक थकावट के कारण वे दिल्ली में ही रुकेंगे। बुधवार सुबह हवाई जहाज से भोपाल पहुंचेंगे। इसकेबाद भोपाल से निजी वाहन से अपने घर बरेली पहुंचेंगे।

ट्रेन से पहले स्लोविया फिर हंगरी पहुंचीं शिवी और आंसी

बरेली निवासी छात्राएं शिवी और आंसी पारीख सोमवार को दोपहर कीव शहर से स्लोविया सीमा के लिए ट्रेन से रवाना हुईं थीं। यह दोनों बहनें कीव मेडिकल यूनिवर्सिटी में तृतीय वर्ष की छात्राएं हैं। दोनों छात्राओं ने नवदुनिया को बताया कि भारत सरकार की पहल पर यूक्रेन सैनिकों की सुरक्षा के साथ छात्रावास प्रबंधन ने उन्हें ट्रेन से स्लोविया सीमा के लिए रवाना किया। कीव से 260 किमी की यात्रा करने के बाद वे स्लोविया सीमा पर पहुंची। वहां पर अत्यधिक भीड़ के कारण मंगलवार को सुबह ट्रेन से हंगरी के लिए रवाना हुईं। भारतीय दूतावास के माध्यम से उनके स्वदेश वापसी के लिए हवाई जहाज से व्यवस्था की जाएगी। कीव में बमबारी व स्लोविला में बर्फबारी के कारण छात्राओं को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ा। हंगरी सीमा पर भी लोगों की भीड़ अधिक होने से रहने, खाने-पीने की परेशानी हो रही है।

जिले के पांच विद्यार्थी यूक्रेन से वापसी के लिए प्रयासरत

जिले के पांच विद्यार्थी यूक्रेन से स्वदेश वापसी के लिए प्रयासरत हैं। यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों में उदयपुरा निवासी ब्रजकिशोर शर्मा की बेटी साक्षी शर्मा, बरेली निवासी मुकेश पारीख की दो बेटियां शिवी और आंसी पारीख, देवनगर निवासी ताहिर खान का पुत्र आमिर खान, बाड़ी निवासी डॉ. माधवलाल की बेटी माधवी रैकवार वापस भारत लौटने के प्रयास में लगे हुए हैं।

विदेश राज्य मंत्री से पूर्व मंत्री सिंह ने दूरभाष पर की चर्चा

सिलवानी विधायक पूर्व मंत्री रामपाल सिंह ने मंगलवार को विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन से फोन पर रायसेन जिले के पांच छात्र-छात्राओं को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए चर्चा की है। विदेश राज्य मंत्री ने सिंह को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं उनके संपर्क में हूं। जल्द ही सभी छात्र-छात्राएं अपने वतन वापस होंगे। सिंह ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से विद्यार्थियों को सकुशल वतन वापस लाने के लिए आग्रह किया था। तोमर ने सिंह के पत्र को गंभीरता से लेते हुए विदेश मंत्री को पत्र लिखकर व फोन पर संपर्क कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। सिंह ने छात्र-छात्राओं के परिवार को भरोसा दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार रायसेन जिले समेत देश के प्रत्येक नागरिक को यूक्रेन से सुरक्षित वापस लाने निरंतर प्रयासरत हैं।

शिवालयों में उमड़े लाखों श्रद्धालु, गूंजे बम-बम भोले के जयकारे

रायसेन। विश्व प्रसिद्ध भोजपुर शिव मंदिर, रायसेन किला स्थित सोमेश्वर धाम, गढ़ी के मावलखोह, दीवानगंज के गीदगढ़, बाड़ी की जामवंत गुफा, बरेली के मृगेंद्रनाथ मंदिर सहित अनेक स्थानों पर स्थित शिवालयों में भगवान शिव के दर्शन, पूजा-अर्चना करने के लिए मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व पर लाखों की तादात में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, पूजन करने के लिए भक्तों की कतार लग गई थी। दिन भर बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। अमूमन सभी स्थानों पर देवाधिदेव भगवान शिव व माता पार्वती के विवाह के आयोजन हुए। कहीं बैंडबाजों की धुन तो कहीं ढोल नगाड़ों की थाप पर शिव बरात में लोग झूमते-नाचते चल रहे थे। पिछले दो वर्ष से कोरोना संक्रमण के कारण सभी बड़े आयोजनों पर रोक लगी हुई थी। इस बार कोविड प्रतिबंधों के हटने से लोगों में पर्व मनाने के प्रति काफी उत्साह देखा गया है।

भोजपुर में दो लाख लोगों ने किए दर्शन

भोजपुर शिव मंदिर के महंत महेंद्र गिरि गोस्वामी ने बताया कि महाशिवरात्रि पर करीब दो लाख लोगों शिवलिंग के दर्शन किए हैं। सोमवार रात से भी भक्तों का मंदिर परिसर में आगमन शुरू हो गया था। सुबह पांच बजे से मंदिर के गर्भगृह में पूजन-आरती व भगवान शिव का अभिषेक शुरू हो गया था। देखते ही देखते विश्व के सबसे बड़े प्राचीन पाषाण शिवलिंग के दर्शन करने के लिए मंदिर प्रांगण में भक्तों की लंबी कतार लग गई।

बैंक वाले दबाव बना कर एक महीने पहले ही कर रहे कर्ज वसूली

बेगमगंज। फसल बीमा राशि से किसानों की राहत मिलने के बजाय परेशानी बढ़ गई है। किसानों को पहले बीमा राशि निकालने के संबंध संदेश आने व फिर बैंकों से राशि निकालने घंटों इंतेजार करना पड़ रहा है। इधर बैंकों ने समय से पहले कर्ज राशि वसूलना शुरू कर दिया है। किसानों के अनुसार बैंक कर्ज राशि चुकाने के लिए दबाव बना रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि दबाव वाली कोई स्थिति नहीं है यह निर्णय किसानों के हित में है इससे डिफॉल्टर होने से बचाया जा सकता है। तहसील में प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत खरीब 2020 और रबी 2020-21 फसलों की बीमा दावा भुगतान राशि तहसील के किसानों के खाते में राशि डाली गई है। इस राशि को निकालने जा रहे को खाली हाथ लौटना पढ़ रहा है। खातों में बीमा राशि जमा होने के बाद किसानों को कुछ नहीं मिल रहा। किसानों के अनुसार राशि लेने पर बैंक से जवाब मिल रहा है की सहकारी समितियों से लिखवा कर लाओ तब पैसा निकलेगा। बैंक कर्मचारी बीमा राशि के अलावा कर्ज की बाकी राशि जमा करने का दबाव बना रहे हैं। किसान नरेंद्र जैन ने बताया 28 हजार बीमा राशि का संदेश आने के बाद में निकालने सेंट्रल ग्रामीण बैंक गया तो बैंक कर्मचारियों ने मना कर दिया और कहा कि आपकी बीमा राशि आपके कर्ज में जमा होगी। हर साल 31 मार्च तक राशि जमा करना होती है बीमा राशि आने के बाद अधिकारी एक माह पहले ही कर्ज की राशि जमा करने का दबाव बना रहे हैं।

फसलें पककर घर नहीं आईं

किसान सौरभ शर्मा महुआखेड़ा, भरत यादव गुलबाड़ा, बालगिरी गोस्वामी सागोनी, रघुवीर सिंह समसगढ़ ने बताया की किसान जब बैंक बीमा राशि लेने पहुंच रहे हैं तो उन्हें शेष राशि और जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि बीमा राशि कर्ज में समायोजित की जा रही है। शेष जो बची है वह और जमा करें। जबकि फसले कट कर घर पर नहीं आईं, बाकी राशि कहां से जमा करवाएं।

कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म लुका छुपी के 3 साल पूरे, शहजादा के सेट पर कलाकारों ने मनाया जश्न

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शहजादा की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसी बीच इस ऑनस्क्रीन जोड़ी ने अपनी फिल्म लुका छुपी के 3 साल पूरे होने का जश्न मनाया। कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म लुका छुपी को 1 मार्च को 3 साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे फिल्म में नजर आए दोनों कलाकारों ने शहजादा के सेट पर फिल्म लुका छुपी के 3 साल पूरे होने का जश्न मनाया।

इसी क्रम में कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री कृति सेनन के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं। शेयर की गई इन तस्वीरों में से पहली तस्वीर में दोनों कलाकार मुस्कुराते नजर आ रहे हैं जबकि दूसरी तस्वीर में कृति कार्तिक की होंठों पर उंगली रख उन्हें चुप कराते हुए नजर आ रही हैं, जो कि फिल्म का सिग्नेचर पोज भी है। इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को साझा करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, आपके गुड्डू और रश्मि आज भी साथ हैं। शहजादा के सेट पर लुका छुपी के 3 साल का जश्न मनाते हुए। साल 2019 में आई फिल्म लुका छुपी का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया था, जबकि इसे मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया था। इस फिल्म में टीवी रिपोर्टर विनोद (गुड्डू) कुमार शुक्ला की कहानी को दिखाया गया है, जिसका किरदार अभिनेता कार्तिक आर्यन ने निभाया था। जबकि उनकी इंटर्न रश्मि त्रिवेदी के किरदार में अभिनेत्री कृति सेनन नजर आई थीं। एक साथ काम करते करते गुड्डू और रश्मि एक- दूसरे से प्यार करने लगते हैं। लेकिन शादी के फैसले से पहले वह 20 दिनों तक लिव- इन- रिलेशनशिप में रहने की कोशिश करते हैं।

सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा की शादी की तस्वीरें वायरल

एक्टर सलमान खान बॉलीवुड के मॉस्ट एलिजिबल बैचलर हैं। सलमान के फैंस उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। अब सलमान की शादी को लेकर एक तस्वीर वायरल हो रही है। जिसमें कहा जा रहा है कि सलमान ने सोनाक्षी सिन्हा से शादी कर ली है। तस्वीर में सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा दिख रहे हैं। वहीं सोनाक्षी की मांग में सिंदूर भरा नजर आ रहा है। चलिए आपको सलमान की शादी की तस्वीरों का सच बताते हैं। सलमान और सोनाक्षी की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है। कहा जा रहा है कि दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी की है। हालांकि, ये तस्वीरें फोटोशॉप की गई हैं। सलमान और सोनाक्षी ने शादी नहीं की है। सलमान खान खुद को सिंगल बताते आए हैं लेकिन उन्हें अक्सर उनकी दोस्त यूलिया वंतूर के साथ देखा जाता है। इसलिए अटकलें तेज हैं कि सलमान और यूलिया रिलेशनशिप में हैं।

बड़े पर्दे पर पहली बार छाएगा रणबीर कपूर-श्रद्धा कपूर के रोमांस का जादू

अभिनेता रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अभिनीत अनटाइटल्ड फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है। अब यह फिल्म मार्च 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसे लव रंजन द्वारा निर्देशित और निर्मित किया गया है। बता दें कि लव रंजन इससे पहले पंचनामा फ्रैंचाइज़ी और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं। लव फिल्म्स के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने अपडेट पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। लव फिल्म लिखते हैं, ÷रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अभिनीत लव रंजन की अगली फिल्म होली यानी 8 मार्च, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी! लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित, गुलशन कुमार और भूषण कुमारी, लव फिल्म्स व टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत।

पहली बार साथ काम करेंगे लव, रणबीर और श्रद्धा

बता दें कि इस फिल्म की घोषणा 2019 में की गई थी। कभी कोरोना महामारी तो कभी डेटस की वजह से इसकी रिलीज डेट में पहले भी बदलाव किए गए हैं। अभी तक इस फिल्म का शीर्षक तक तय नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इस परियोजना में रंजन, रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म में डिंपल कपाड़िया और निर्माता बोनी कपूर भी हैं, जो कथित तौर पर रणबीर कपूर के ऑन-स्क्रीन माता-पिता की भूमिका निभाएंगे। यदि वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर लव रंजन की फिल्म के अलावा यशराज फिल्म्स की शमशेरा और अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले हैं। वहीं श्रद्धा कपूर पंकज पराशर की फिल्म चालबाज इन लंदन अमर कौशिक की स्त्री 2 और टाइगर श्रौफ के साथ बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगी।

फैन ने पीठ पर बनवाए रणवीर सिंह के पांच एक्सप्रेशंस वाले चेहरे

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अक्सर सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। अभिनेता आए दिन फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते रहते हैं। इसके अलावा भी अभिनेता अपनी स्टाइलिंग और अनोखी ड्रेसिंग सेंस को लेकर भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं। ऐसे में अभिनेता एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। दरअसल, हाल ही में अभिनेता का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया ह, जिसमें वह अपने एक फैन से बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता और उनका एक फैन नजर आ रहा है। दरअसल रणवीर सिंह पैपराजी को पोज देते हुए फोटो खिंचवा रहे थे। तभी उनका एक फैन उनसे मिलने वहां आ पहुंचा। इस दौरान रणवीर पहले तो दूर से ही फैन को देखते रहे, लेकिन बाद में जैसे ही उसने अपनी शर्ट उतारी वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, इस फैन ने अपनी पीठ पर रणवीर सिंह के पांच अलग-अलग एक्सप्रेशंस वाले चेहरे बनवाए हुए थे। फैन की इस दीवानगी को देख दूर खड़े अभिनेता रणवीर सिंह उसके करीब जाने को मजबूर हो गए। इतना ही नहीं अपने लिए प्यार देख एक्टर ने खुशी से उसे गले भी लगा लिया। इसके बाद एक्टर उस फैन से बात करते भी दिखाई दिए। वहीं अभिनेता का फैन के साथ इस तरह का बर्ताव देख सोशल मीडिया पर यूजर्स जमकर एक्टर की तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो को विरल भयानी ने अपनी आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है।

ड्रग्स केस में आर्यन खान के खिलाफ एनसीबी को नहीं मिला कोई सबूत

अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को आखिरकार क्लीन चिट मिलती दिखाई दे रही है। उनके खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित होता हो कि वह एक बड़ी साजिश या एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थे। दरअसल एनसीबी मुंबई की यूनिट के आरोपों के विपरीत, एसआईटी (विशेष जांच दल) ने एचटी के साथ अपनी जांच के कुछ निष्कर्ष साझा किए हैं जिसमें बताया गया है कि आर्यन खान के पास कोई ड्रग्स नहीं था।

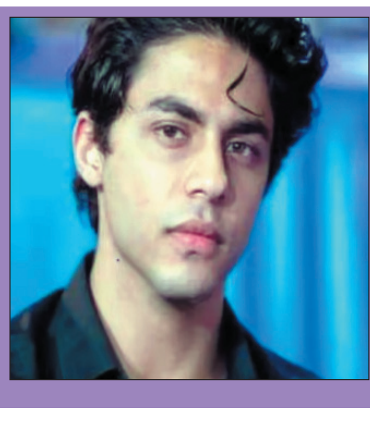

आर्यन खान

जांच टीम का कहना है कि आर्यन खान कि चैट से यह नहीं पता चलता कि वह किसी अंतराष्ट्रीय सिंडिकेट का हिस्सा था, इसके अलावा क्रूज पर छापे के दौरान अनियमितता बरती गई। छापे के दौरान कोई वीडियो-रिकॉर्डिंग नहीं की गई थी जैसा कि एनसीबी मैनुअल द्वारा अनिवार्य किया गया था। एसआईटी जांच की तर्कों से लगता है कि छापेमारी और एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय इकाई के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े के आचरण पर भी सवाल उठाती है। वानखेड़े को उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है और मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए एसआईटी और एजेंसी की सतर्कता टीम दोनों द्वारा कई बार पूछताछ की जा चुकी है।

अभी पूरी नहीं हुई है जांच-

हालांकि सारी चीजों को सुनिश्चित करने के लिए एसआईटी की जांच पूरी नहीं हुई है और एनसीबी के महानिदेशक एस एन प्रधान को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने में कुछ महीने लग सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि अंतिम निर्णय से पहले एक कानूनी राय ली जाएगी, जिसमें इस पहलू पर गौर किया जाएगा।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक–नागेश नरवरिया
मो.– 9425156055–9755364204

रूस-चीन ने मजबूत किए आर्थिक संबंध

यूक्रेन पर हमले से 6 दिन पहले 10 करोड़ टन कोयले की डील की

नई दिल्ली। यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला करने के बाद रूस पर पश्चिमी देशों ने कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए। और ये प्रतिबंध लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इन देशों की कोशिश है कि रूस की इकोनॉमी को गहरी चोट पहुंचाकर उसे रोका जाए। लेकिन, रूस को भी इस बात का अंदाजा था कि उसपर ये प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसी वजह से उसने इनसे निपटने के लिए अपनी तैयारी की थी। इन तैयारियों में उसकी मदद की उसके शक्तिशाली आर्थिक सहयोगी चीन ने जिसके साथ उसकी करीबी बीते सालों में काफी ज्यादा बढ़ी है। दरअसल, चीन ने दिसंबर 2021 में ही रूस से तेल खरीदारी बढ़ा दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन की तेल खरीदारी सऊदी अरब से उसकी तेल खरीद को भी पार कर पहले नंबर पर पहुंच गई है। वहीं रूस के यूक्रेन पर अटैक से 6 दिन पहले चीन को 10 करोड़ टन कोयला बेचने की डील का भी ऐलान किया गया। इसके अलावा यूक्रेन पर बमबारी से कुछ घंटे पहले, चीन ने रूसी गेहूं खरीदने पर अपनी सहमति दी थी। ऐसे में यहां हम आपको रूस और चीन की करीबी और रूस-चीन के ट्रेड की क्या स्थिति है इस बारे में बताने जा रहे हैं।

नई ऊंचाई पर पहुंचा चीन और रूस के बीच ट्रेड

चीन और रूस लगभग 2,700 मील की बॉर्डर शेयर करते हैं। चीन बीते कुछ सालों में रूस के इंपोर्ट का सबसे बड़ा सोर्स बनकर उभरा है। वहीं चीन के साथ रूस का एक्सपोर्ट भी बढ़ा है। ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में चीन लगातार 12वें साल रूस का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर रहा। बीते साल बाइलेटरल ट्रेड 146.9 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 35.9% की बढ़ोतरी दिखाता है। चीन इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य मैन्युफैक्चर्ड गुड्स का दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरर है, और फूड और एनर्जी के बदले रूस को इसकी सप्लाई करता है।

रूस-चीन की करीबी

चीन और रूस की करीबी 1950 के दशक की याद दिला रही है, जब चीन के माओत्से तुंग ने रूस के जोसेफ स्टालिन और फिर निकिता ख्रुश्चेव के साथ मिलकर काम किया था। बीजिंग के रेनमिन यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन्स के प्रोफेसर शी यिनहोंग ने कहा, %अब तक जो हुआ वह ताकत के जरिए रूसी विस्तारवाद और रूस को चीन की आर्थिक और वित्तीय सहायता दोनों की शुरुआत है। इसका मतलब यह नहीं है कि चीन किसी भी हद तक विस्तारवाद का समर्थन करता है- इसका मतलब केवल यह है कि बीजिंग दृढ़ता से मास्को के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने की जरूरत महसूस करता है।

200 अरब डॉलर से 250 अरब डॉलर किया ट्रेड टारगेट: 2014 में जब रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा किया था तब भी उसपर प्रतिबंध लगाए गए थे। इन प्रतिबंधों के बाद रूस-चीन का बाइलेटरल ट्रेड 50% से ज्यादा बढ़ गया और चीन रूस का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बन गया।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

सेंसेक्स 900 पॉइंट्स गिरकर 55326 पर, बैंकिंग शेयर्स की जमकर पिटाई, मारुति 4% टूटा

मुंबई। शेयर बाजार में आज भारी गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ब्स्श्व) का सेंसेक्स 900 पॉइंट्स गिरकर 55,326 पर पहुंच गया। इससे निवेशकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपए का घाटा हुआ है।

मार्केट कैप 251 लाख करोड़ रुपए

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप जो सोमवार को 252.36 लाख करोड़ रुपए था, आज 251 लाख करोड़ रुपए है। बैंकिंग शेयर्स की जमकर पिटाई हो रही है। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयर गिरावट में और 2 बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। गिरने वालों में ICICI बैंक का शेयर 4% टूटा है जबकि HDFC बैंक 3% गिरा है। SBI का शेयर 2% नीचे है। एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और HDFC के स्टॉक 2-2% गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। इसी तरह एशियन पेंट्स, मारुति के स्टॉक में 3-3% की गिरावट है। कोटक बैंक 2% नीचे है। इसके अलावा अल्ट्राटेक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, एयरटेल और बजाज फिनसर्व भी नीचे हैं।

नेस्ले और सनफार्मा भी नीचे

डॉ. रेड्डी, नेस्ले, सनफार्मा, टाइटन में मामूली गिरावट है। बढ़ने वाले स्टॉक में टाटा स्टील सबसे ज्यादा 3% ऊपर है। जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, विप्रो और लार्सन एंड टुब्रो भी मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स के 116 शेयर अपर और 141 लोअर सर्किट में हैं। इसका मतलब इनकी कीमतों में एक दिन में एक तय सीमा से ज्यादा की बढ़त या गिरावट नहीं हो सकती है। इसके 36 स्टॉक एक साल के ऊपरी और 17 निचले स्तर पर हैं। कुल लिस्टेड कंपनियों में से 1,483 के स्टॉक बढ़त में और 1,107 के नीचे कारोबार कर रहे हैं।

निफ्टी में भी गिरावट

उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 234 अंक नीचे 16,559 पर कारोबार कर रहा है। यह 16,593 पर खुला था और 16,547 का निचला तथा 16,671 का ऊपरी स्तर बनाया था। इसका नेक्स्ट 50 इंडेक्स बढ़त में जबकि मिडकैप, फाइनेंशियल और बैंकिंग गिरावट में हैं।

20 स्टॉक नीचे हैं

निफ्टी के 50 में से 20 स्टॉक तेजी में और 30 नीचे हैं। बढ़ने वालों में प्रमुख रूप से कोल इंडिया, हिंडालको, टाटा स्टील, UPL और ONGC हैं। गिरने वालों में बजाज ऑटो, ICICI बैंक, एशियन पेंट्स, HDFC बैंक और मारुति हैं। इससे पहले सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 388 पॉइंट्स बढ़कर 56,247 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 135 अंक तेजी के साथ 16,793 पर बंद हुआ।

एअर इंडिया को झटका:

इल्कर आयसी ने कंपनी का CEO बनने से किया इंकार

नई दिल्ली। तुर्किश एयरलाइंस के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स के पूर्व चेयरमैन इल्कर आयसी एअर इंडिया के नए MD और CEO नहीं बनेंगे। उन्होंने टाटा संस से इस बारे में मिले ऑफर को ठुकरा दिया है। टाटा संस ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। दरअसल,आयसी की नियुक्ति की घोषणा के कुछ दिनों बाद भारत में इसका जम कर विरोध हुआ था। टाटा संस ने 14 फरवरी को इल्कर आयसी को एअर इंडिया का MD और CEO बनाने की घोषणा की थी। आयसी का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आने से सरकार उनकी नियुक्ति पर आपत्ति थी। सरकार की आपत्ति के बाद से ही इस बात का अंदेशा लग रहा था कि अब आयसी नहीं बल्कि कोई और एअर इंडिया का MD और CEO बनेगा।

नियुक्ति के बाद से ही मीडिया ने किया टारगेट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आयसी ने कहा कि मेरे अपॉइन्टमेंट पर भारतीय मीडिया ने कई तरह की खबरें चलाईं। इन्हें देखते हुए मैं इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि जब इस तरह का नैरेटिव चल रहा हो तब पोजिशन एक्सेप्ट कर पाना सही या सम्मानजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं देख रहा था कि मेरी नियुक्ति के बाद से ही भारतीय मीडिया का एक धड़ा मेरी नियुक्ति को जबरदस्ती कोई और रंग देने में लगा हुआ था।

क्रिप्टोकरेंसी: क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में शानदार तेजी, बिटकॉइन 3.27 लाख और इथीरियम 15 हजार रुपए से ज्यादा उछला

नई दिल्ली। मंगलवार को प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। बिटकॉइन शाम साढ़े 4 बजे 10.79% (24 घंटे में) की बढ़त के साथ 33.62 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसकी कीमत में 3.27 लाख रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इथीरियम की बात करें तो बीते 24 घंटों में इसकी कीमत में 7.45% की तेजी देखी गई है। यह 15,575 रुपए बढ़कर 2.24 लाख रुपए पर पहुंच गई है। टेदर और स्ष्ठ कॉइन में गिरावट टेदर और स्ष्ठ कॉइन में आज गिरावट देखने को मिल रही है। टेदर की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमत में 1.73% की गिरावट आई है। इस

गिरावट के बाद ये 78.14 रुपए पर आ गया है। वहीं स्ष्ठ कॉइन में भी 1.85% की गिरावट देखी गई है। क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली कमाई पर अब 30% टैक्स देना होगा। इसके अलावा क्रिप्टोकरेंसी से ट्रांजैक्शन करने पर 1% का TDS भी लगेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में इसकी जानकारी दी। RBI की ओर से जारी होने वाले डिजिटल रुपए को ही डिजिटल करेंसी माना जाएगा, जबकि बिटकॉइन और इथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी को एसेट माना जाएगा और इससे होने वाली कमाई पर टैक्स लगेगा।

फरवरी ऑटो सेल्स: टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स सेल्स में 1.95% की कमी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल कंपनी ने फरवरी महीने हुई बिक्री के आंकड़े जारी कर दिए हैं। मारुति सुजुकी व्हीकल्स की बिक्री फरवरी में 6.26% बढ़कर 1,64,056 यूनिट हो गई। वहीं टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स सेगमेंट ने फरवरी में 39,981 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले महीने की तुलना में 1.95% कम है। तो चलिए सभी कंपनियों की कार सेल्स के बारे में जानते हैं....

महिंद्रा में पिछले महीने की तुलना में 16.34% ग्रोथ

महिंद्रा के ऑटो सेगमेंट ने फरवरी में 54,455 यूनिट्स की कुल बिक्री की, जो पिछले महीने की तुलना में 16.34% ज्यादा है, कंपनी का कहना है कि चिप की कमी से कारों की बिक्री भी जनवरी के मुकाबले 38.56% बढ़कर 27,663 यूनिट हो गई, ऑटोमोटिव डिवीजन के चीफ एग्जीक्यूटिव विजय नाकरा ने बताया कि स्ङ्क सहित सभी सेगमेंट में मजबूत मांग देखी गई, जिसने अब तक की सबसे ज्यादा

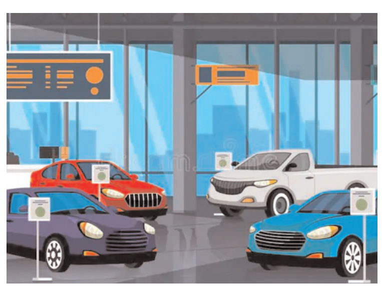

मंथली सेल्स रिकॉर्ड की। हालांकि एग्रीकल्चर सेगमेंट इसकी बिक्री में गिरावट देखी गई। ट्रैक्टर की बिक्री पिछले महीने की तुलना में 9.8% गिरकर फरवरी में 20,437 यूनिट रही।

मारुति सुजुकी की बिक्री 6.26% बढ़ी

मारुति सुजुकी के व्हीकल्स की बिक्री फरवरी में 6.26% बढ़कर 1,64,056 यूनिट हो गई। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की कमी से प्रोडक्शन पर असर हो रहा है। कंपनी ने बताया कि उसने फरवरी में हाई रिकॉर्ड मंथली एक्सपोर्ट भी दर्ज की है। चिप की कमी का महीने के दौरान व्हीकल्स के प्रोडक्शन पर बहुत कम फर्क पड़ा और कमी ने डोमेस्टिक मार्केट में बेचे जाने वाले व्हीकल्स के प्रोडक्शन को भी प्रभावित किया है। कंपनी की कारों का एक्सपोर्ट 34% से बढ़कर 24,021 यूनिट हो गया। मिनी और कॉम्पैक्ट व्हीकल्स सेगमेंट की बिक्री 8.19% बढ़कर 97,486 यूनिट हो गई। हालांकि यूटिलिटी व्हीकल्स की बिक्री 4.74% गिरकर 25,360 यूनिट रही।

टाटा मोटर्स पैसेंजर कार की बिक्री में मामूली गिरावट

टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स सेगमेंट ने फरवरी में 39,981 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले महीने की तुलना में 1.95% कम है। टाटा मोटर्स की टोटल डोमेस्टिक सेल्स 1.91% बढ़कर 73,875 यूनिट हो गई। कुल डोमेस्टिक कॉमर्शियल व्हीकल्स की बिक्री 6.5% बढ़कर 37,522 यूनिट हो गई।

काम की बात: आज से दूध और गैस सिलेंडर हुआ महंगा

नई दिल्ली। 1 मार्च यानी आज से बैंकिंग और गैस सिलेंडर सहित कई अन्य जरूरी चीजों से जुड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी पर भी पड़ेगा। DBS बैंक इंडिया लिमिटेड में लक्ष्मी विलास बैंक में वियल हो चुका है, जिसके बाद इन बैंकों की सभी ब्रांच के IFSC और MICR कोड बदल गए हैं। हम आपको ऐसे ही 3 बदलावों के बारे में बता रहे हैं। लक्ष्मी विलास बैंक और DBS बैंक इंडिया लिमिटेड के पुराने चेकबुक और ढ्ढस्नस्ष्ट कोड अब अमान्य हो जाएंगे। इन दोनों बैंकों का विलय हो चुका है। इस कारण अब बैंक की ब्रांच के IFSC कोड और चैक बुक अब बदल जाएंगे। आपको बैंक जाकर नई पासबुक और IFSC-MICR कोड लेना होगा। इन दोनों बैंको का 27 नवंबर 2020 को विलय कर दिया गया था। 19 किलो वाले कॉमर्शियल LPG सिलेंडर की कीमत में 105 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अब यह 2,012 रुपए का मिलेगा। कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भाव 108 रुपए बढ़कर 2,095 रुपए हो गए। पहले इसकी कीमत 1,987 रुपए थी। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,857 रुपए हो गई है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)